12 विशेषण तथा विशेषण के भेद

पाठ–योजना

पाठ का उद्देश्य

- किसी व्यक्ति, वस्तु की विशेषता (गुण–दोष) बताने वाले शब्दों की पहचान कराना।
- विशेषण शब्दों को जानना तथा उसके भेदों, उपभेदों को समझाना।
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया इत्यादि से विशेषण शब्द बनाने की प्रक्रिया समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व–ज्ञान

- किसी संज्ञा की अच्छाई/बुराई बताने वाले शब्दों के बारे में आप क्या जानते हैं?
- विशेषता बताने वाले शब्दों में क्या बुराई/अवगुण बताने वाले शब्द भी सम्मिलित होंगे?
- क्या विशेषण शब्द संज्ञा व सर्वनाम के बाद ही आते हैं या उनसे पहले भी आ सकते हैं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - ऐसे शब्द जो संज्ञा/सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, 'विशेषण' कहलाते हैं।
  - जिन संज्ञाओं/सर्वनामों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें 'विशेष्य' कहते हैं।
  - विशेषण के मुख्य चार भेद हैं– (क) गुणवाचक (ख) संख्यावाचक (ग) परिमाणवाचक (घ) सार्वनामिक।
  - संख्यावाचक व परिमाणवाचक विशेषण के दो–दो उपभेद हैं–(क) निश्चित संख्यावाचक (ख) अनिश्चित संख्यावाचक। इसी प्रकार (क) निश्चित परिमाणवाचक (ख) अनिश्चित परिमाणवाचक।
  - सर्वनाम व सार्वनामिक विशेषण में अंतर को समझाना आवश्यक है।
  - संख्यावाचक व परिमाणवाचक विशेषण में अंतर।
  - सर्वनाम स्वयं सर्वनाम शब्द होते हैं व सार्वनामिक विशेषण के रूप में वह संज्ञा से पहले प्रयुक्त होकर विशेषण का कार्य करते हैं।
  - विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द 'प्रविशेषण' कहलाते हैं।
  - हिंदी में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय आदि शब्दों से भी विशेषण शब्दों का निर्माण होता है।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।